S-252

Total Pages : 3 Roll No. .....

BASL-102

नीतिकाव्य, व्याकरण एवं अनुवाद

Bachelor of Arts (BA)

1st Year Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. संस्कृत नीति वाक्यों के महत्त्व को रेखांकित करते हुए भर्तृहरि के योगदान पर प्रकाश डालिए।

2. हितोपदेश के आधार पर जरद्गव विडाल कथा का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

3. निम्नलिखित श्लोकों की व्याख्या कीजिए :

(क) अम्भोजिनी वनविहार विलासमेव
हंसस्य हन्ति नितरां कुपितो विधाता
न त्वस्य दुग्धजलभेदविद्यौ प्रसिद्धां
वैदग्ध्यंकीर्तिमपहर्तुमसौ समर्थः।

(ख) जातिर्यातु रसातलं गुणगणस्तत्राप्यधो गच्छतां
शीलं शैलतटातपतत्वभिजनः संदह्यतां वह्निना।
शौर्ये वैरिणि वज्रमाशु निपत्वर्थोऽस्तु नः केवलं
येनैकेन विना गुणास्त्रृणलवंप्रायाः समस्ता इमे।

4. कर्तृवाच्य तथा कर्मवाच्य को उदाहरण सहित समझाइए।

5. 'कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्' 'ध्रुवमऽपायेऽयादानम्' तथा 'आधरोऽधिकरणम्' सूत्र की व्याख्या कीजिए तथा उदाहरण सहित समझाइए।

(खण्ड-ख)
(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. विकार आरोपित होने पर कौन-सी विभक्ति होती है? सूत्र सहित व्याख्या कीजिए।

2. उदात्त और सवर्णसंज्ञा विधायक सूत्र लिखकर उसकी व्याख्या कीजिए।

3. यण् और दीर्घ सन्धि विधायक सूत्र लिखिए और उदाहरण सहित उसकी व्याख्या कीजिए।

4. भाववाच्य किसे कहते हैं? स्पष्ट कीजिए।

5. स्वर सन्धि किसे कहते हैं? उदाहरण सहित समझाइए।

6. हितोपदेश के आधार पर मृग श्रृंगाल कथा का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

7. निम्नलिखित श्लोक की व्याख्या कीजिए :

अज्ञः सुखमाराध्यः सुखतरमाध्यते विशेषज्ञः।

ज्ञानलवदुर्विदग्धं ब्रह्मापि नरं न रंजयति।।

8. निम्नलिखित गद्यांश की व्याख्या हिन्दी में कीजिए :

तत्र दमनकोऽब्रवीत-भद्र करकट! अयं तावदस्मत्स्वामी पिंगलक उदकग्रहणार्थं यमुनाकच्छवतीर्य स्थितः। स किंनिमित्तं पिपासाऽऽकुलोऽपि निवृत्त्य, व्यूहरचनां विधाय, दौर्मनस्येनाभिभूतोऽत्र वटतले स्थितः? करटक आह-भद्र! किमावयोरनेन व्यापारेण!।